आलस्य और अलबेलापन - 70

➢➢ आलस्य अलाबेलापन सीरिज का रीविजन

➳_ ➳ आलस्य किसे कहेंगे?

→ जिसमे चुस्ती स्फूर्ति नहीं है...

→ हो जायेगा, कर लेंगे, ये तो चलता है...

→ जो सिर्फ सुना है, प्रयोग में नहीं लाये

→ ढीलापन हो...

➳_ ➳ बच्चे अपनी गलती छिपाने के लिए क्या कहते हैं...

→ फलानी मुरली में बाबा ने ये कहा था, समय परिस्थिति नहीं देखते लेकिन शब्द पकड़ लेते हैं...

➳_ ➳ अलबेलेपन और आलस्य में रहने वाले फुरत रहते हैं किस चीज में?

→ दूसरोंको शिक्षा देने में स्वयम को निर्दोष और दुसरोपर दोष रखने में

➳_ ➳ चलते चलते ख़ुशी कम क्यों हो जाती है?

→ दुसरो को देखने से आलस्य के वश हो व्यर्थ संकल्पों में भटक जाते हैं...

→ जो सारा दिन अलबेले रहते हैं उनसे माया कैसे बदला लेती है?

→ विशेष वरदान के समय अमृतवेले बदला लेती है...

➳_ ➳ अलबेलेपन के अभिमानी क्या समझते हैं?

→ अब तो बहुत लोक लगा लिया, ज्ञानी, योगी, सेवाधारी भी बन गये, अब आराम से करते है....

→ स्वयम पर अटेंशन नहीं देते...

➳_ ➳ नजदीक की प्रजा बननाने के लिए क्या छोड़ना पड़ेगा?

→ नाजुकपना

➳_ ➳ ज्ञान बुद्धि में है, समय पर काम में लगा लेंगे... ऐसा सोचने वाले को कहेंगे?

→ कुम्भकरण

➳_ ➳ व्यर्थ बोलने वाले की निशानी क्या होगी?

→ मजबूरी से समय प्रमाण बोलेगा...

→ संगठन में खुद को कंट्रोल करेगा, पर अंदर से मजबूरी फील करेगा...

➳_ ➳ जागती ज्योत बनने के लिए धारणा

→ एलर्ट

→ अथक

➳_ ➳ कौनसा रहम कभी नुक्सान भी कर देता है?

→ बिना ज्ञान का रहम

➳_ ➳ पुरुषार्थी के सामने माया किस रूप से वार करती है?

→ उसे साधारण पुरुषार्थी बना देगी...

→ फिर उमंग ख़त्म कर देगी...

➳_ ➳ ब्राह्मण जीवन का आधार क्या है?

→ पवित्रता

→ मन मनाभव

➳_ ➳ पढाई में अलबेलापन कब होता है?

→ जब पेपर आये हुए बहुत समय हो जाये..

➳_ ➳ विशेष लक्ष्य तक पहुंचने में कौनसी कमजोरी विघ्न डालती है?

→ अपने कमजोर संस्कार दुसरे के संस्कार से टक्कर खाते हैं..

➳_ ➳ इस कमजोरी को हटाने के लिए क्या चाहिए?

→ समाने की शक्ति

→ मैं पण खत्म करना

➳_ ➳ आलस्य अलबेला पन कब मिटेगा?

→ प्राप्ति को सामने रखने से

→ समय को सामने रखने से

➳_ ➳ अलबेला रहने वाले को क्या नहीं कहेंगे?

→ महारथी

→ सेना का सैनिक

➳_ ➳ सर्विसएबल आत्माओं को सर्विस के साथ क्या अटेंशन रखना है?

→ सेल्फ सर्विस का

➳_ ➳ संगम युग की क्या विशेषता है?

→ प्रभु मिलन

→ एक का पद्म गुना प्राप्ति

→ अतीन्द्रिय सुख

➳_ ➳ आलस्य के साथ कौन आता है?

→ नींद

→ थकावट

→ बहानेबाजी

➳_ ➳ उमंग उत्साह में रहने वाले क्या करेंगे?

→ अपने चेहरे व् चलन से सभी को उमंग से बढ़ते रहेंगे...

➳_ ➳ उमंग में रहने के लिया क्या ध्यान रखना है?

→ अपने को आधार मूर्त समझना

→ उद्धार मूर्त समझना

➳_ ➳ अलबेलेपन की क्या सजा है?

→ ख़ुशी गायब होना

→ विकारी स्वप्न

→ लगाव के स्वप्न

➳_ ➳ उस सजा से मुक्त कैसे हो

→ सोते समय सारे दिन का पोतामेल बाप को देना

→ बाप के साथ सोना...

➳_ ➳ वर्तमान में पुरुषार्थियो के मन में रॉयल मायावी संकल्प क्या आता है?

→ अंत में विजयी बनेंगे...

➳_ ➳ अंत में बाबा दाल रोटी किसे खिलाएंगे?

→ जो बाप के साथी है..

→ सच्चे हैं...

➳_ ➳ अलबेलापन न आये उसकी क्या विधि है?

→ स्व चिन्तन उन्नति की बातों पर रूह रिहान करना...

→ सोचना सारी सृष्टि की आत्माए हमें देख रही है...

→ मेरी प्रजा भक्त मुझे देख रहे हैं...

→ जो संकल्प हम करेंगे, हमें देख सब करेंगे...

→ अभी हम कल्प के लिए विधान बना रहे हैं...

→ सारे कल्प का रिकॉर्ड भर रहे हैं...

→ योद्धे कभी आलस्य में नहीं रहते...

➳_ ➳ स्वराज को कौनसी बातें खंडित कर देती हैं?

→ कमजोर संकल्प

→ स्वयम के पुराने विशेष संस्कार व्यर्थ सोचना, सुनना, बोलना...

➳_ ➳ अलबेलापन कब आता है?

→ जब सिर्फ डायरेक्शन समझते हैं नियम नहीं

→ दुसरो को देखते हैं

→ ज्ञान की कमी

→ पहचान की कमी

→ अपने को ज्यादा समझदार मानना, ज्ञान का अभिमान होना

➳_ ➳ भ्रष्टाचार व् अत्याचार को समाप्त करने के लिए क्या चाहिए?

→ लगन की अग्नि ज्वाला रूप बन जाए...

→ योग पावरफुल हो...

➳_ ➳ अभी समय कौन सा चल रहा है?

→ प्राप्तियों का

→ कमाई का

→ वरदान का

→ जरा भी गफलत का समय नहीं है...

➽_ ➽ वर्तमान में ब्राह्मणों का कार्य क्या है?

→ ज्ञान गंगा बने

➽_ ➽ अलबेलापन किसका अच्छा लगता है किसका नहीं?

→ बच्चों का, बडो का नहीं

➽_ ➽ बेहद की वैराग वृत्ति कब फैलेगी?

→ जब याद रहे अब घर जाना है...

→ पावरफुल योग से

➽_ ➽ परमात्मा के हजारो, लाखो कान आँखे किस संदर्भ में गई गयी है?

→ साकार में हरेक के कर्म को कोई देख नहीं सकता... अब अव्यक्त बापदादा सबके कर्मों को देख सकते है...

➽_ ➽ सहजयोगी का मतलब क्या है?

→ पुरुषाथ सहज भी हो श्रेष्ठ हो...

➽_ ➽ किन तीन बातो को रिवीज व रियलाइज करने से स्वत शक्तिशाली व बाप समान बन जायेंगे?

→ निराकारी

→ निर्विकारी

→ निरहंकारी

■

➽_ ➽

→

■

➢➢

➽_ ➽

→

■

➽_ ➽

→